गई थी। 2,508 मामलों में अंतिम उत्तर नहीं भेजे गये हैं।

(ग) रेल मंत्री को संबोधित पत्रों की पावती भेजी जाती है और आवश्यक होने पर क्षेत्रीय रेलों तथा अन्य फील्ड यूनिटों से यथावश्यक सूचना प्राप्त करके, उत्तर दिए जाते हैं।

रेल डिब्बों पर पेंट करने में अनियमितताएं

1677. **श्री ईश दत्त यादव :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले तीन वर्षों के दौरान रेलवे में डिब्बों को पेंट करने से संबंधित कार्य में अनेक अनियमितताओं का पता चला है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है और

(ग) इन कदाचारों में कितने रेलवे अधिकारी लिप्त पाये गये और उन्हें क्या दण्ड दिया गया ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) से (ग) सवारी डिब्बों को पेंट करने के लिए दिए गए ठेके से संबंधित एक शिकायत प्राप्त हुई थी और इसे रेल सवारी डिब्बा कारखाना के सतर्कता विभाग को जांच के लिए भेज दिया गया है।

Fly-over bridge at Tindivanam Railway Station

3679. SHRI TINDIVANAM G. VENKATRAMAN : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether the 'Fly over Bridge' at Tindivanam Railway Station has been proposed and sanctioned in this year's (1992) programme ;

(b) whether the waste materals stored at various goods yards and stations of the Railways would be auctioned to wipe-off pilferage and theft Railway scarap properties ;

(c) whta is the number of Railway property theft cases filed during the year 1990-91 and those ended in conviction ; and

(d) whether there is any proposal to constitute a Special Court to deal with Railway offences apart from Honorary First Class Magistrate's Court in Railways ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MALLIKARJUN) : (a) No, Sir.

(b) Sale of scrap/surplus stores through auctions, is regularly organised by the Railways.

(c) Total number of cases filed in the courts for the year 1990-91 is 28,769. 4,773 cases ended in conviction during 1990-91.

(d) No, Sir.

पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक द्वारा बड़े-बड़े ठेके दिया जाना

3680. **श्री राम अवधेश सिंह :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान महाप्रबंधक, पूर्व रेलवे द्वारा अपने क्षेत्र में दिये गये बड़े-बड़े ठेकों का ब्यौरा क्या है, और जिन पार्टियों को ठेके दिये गये उनका तथा उन ठेकों की अनुमानित लागत का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्षतिपूर्ति के रूप में कितनी धनराशि अदा की गई है;

(ग) क्या यह सच है कि उच्च अधिकारी जिनमें प्रबंधक भी शामिल हैं, व्यापारियों के साथ मिल कर कलकत्ता, धनबाद, जमशेदपुर, बोकारो, सिंदरी और दुर्गापुर सहनों पर कलकत्ता और मुगल-